जब आई आपदा

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न

चर्चा कीजिए (पेज संख्या-99)

प्रश्न 1. क्या आपने या आपके किसी परिचित ने कभी किसी प्राकृतिक आपदा का सामना किया है?

उत्तर: हाँ, हमने प्राकृतिक आपदा बाढ़ का सामना किया है।

प्रश्न 2. ऐसे समय किन-किन लोगों ने मदद की?

उत्तर: ऐसे समय में स्थानीय पुलिस, प्रशासन, सैनिक, स्वयंसेवी संगठनों तथा डॉक्टर ने मदद की।

प्रश्न 3. यदि आपके यहाँ भूकम्प आ जाए तो आपके आस-पास किस तरह का नुकसान हो सकता है?

उत्तर: यदि हमारे यहाँ भूकम्प आ जाये तो अनेक घर व दुकानें मलबे के ढेर में बदल सकती हैं। हजारों लोग व मवेशी इस मलबे में दबकर जान सँवा सकते हैं या उनको शारीरिक क्षति हो सकती है तथा सम्पत्ति की अत्यधिक हानि हो सकती है।

सोचिए और लिखिए (पेज संख्या-99)

प्रश्न 1. भूकम्प से पीड़ित लोगों को किन-किन वस्तुओं की आवश्यकता होती है?

उत्तर: भूकम्प से पीड़ित लोगों को

1. भोजन
2. पीने का साफ पानी
3. आवास
4. दवाइयाँ और कपड़े आदि की आवश्यकता होती है।

प्रश्न 2. यदि आपसे कोई भूकम्प पीड़ितों के लिए। मदद चाहे तो आप क्या मदद करेंगे?

उत्तर: यदि मुझसे कोई भूकम्प पीड़ितों के लिए मदद चाहे तो मैं दवाइयाँ, भोजन, कपड़े और धन दूंगा।

पता कीजिए और लिखिए (पेज संख्या-99)

प्रश्न 1. अखबार व पत्र-पत्रिकाओं से जानो कि अभी हाल ही में कहाँ भूकम्प आया था? उससे किसकिस तरह का नुकसान हुआ?

उत्तर: अभी हाल ही में नेपाल में सन् 2015 में भूकम्प आया। इसमें पुरानी इमारतें गिर गईं, कई लोग मलबे में दब कर मर गये, बहुत से लोग घायल हो गये, मकानों में दरारें पड़ गईं तथा सम्पत्ति की भी काफी हानि

प्रश्न 2. भूकम्प जैसी मुसीबत आने पर क्या करना चाहिए?

उत्तर: भूकम्प जैसी मुसीबत आने पर तुरन्त घर से बाहर खुले में निकल जाना चाहिए। अगर घर से बाहर न निकल सको तो किसी मजबूत जगह जैसे मजबूत टेबल के नीचे कम्पन्न रुकने तक बैठना चाहिए।

सोचिए और बताइए (पेज संख्या-101)

प्रश्न 1. बरसात के समय किस-किस तरह की समस्याएँ आती हैं?

उत्तर: बरसात के समय तूफानी हवाएँ, बिजलियाँ गिरना, मकानों की छतों से पानी टपकना, बाढ़ आना, पेड़ों की शाखाएँ टूटना जैसी समस्याएँ आती हैं।

प्रश्न 2. बाढ़ से लोगों को क्या-क्या नुकसान हुआ होगा?

उत्तर: बाढ़ से लोगों के घर में पानी अन्दर तक आ गया होगा जिससे उनके खाने-पीने का सामान, फर्नीचर, कपड़ों जैसी सामग्री तेज बहाव में बह गयी होगी तथा कुछ कच्चे मकानों की दीवारें टूट गई होंगी, दीवारों में सीलन आ गई होगी। कुएँ, बावड़ी आदि जलस्रोत का जल दूषित हो गया होगा। लोगों तथा जानवरों की खाद्य सामग्री नष्ट हो गयी होगी तथा बाढ़ के बाद अनेक तरह की बीमारियाँ फैली होंगी।

प्रश्न 3. यदि आपके यहाँ पर बाढ़ आ जाए तो आप किस प्रकार की मदद कर सकते हैं?

उत्तर: हम बाढ़ पीड़ितों के लिए खाने-पीने की वस्तुएँ, दवाइयाँ और टेंट लगाकर अस्थाई आवास की व्यवस्था कर मदद कर सकते हैं।

प्रश्न 4. बाढ़ जैसी आपदा से बचने के लिए क्या किया जा सकता है?

उत्तर: बाढ़ जैसी आपदा से बचने के लिए मिट्टी से भरे हुए कट्टों को चारों तरफ लगा दिया जाता है जिससे पानी नहीं आ सके। सरकार द्वारा बाँध बनाकर भी बाढ़ जैसी आफ्दा से बचा जाता है। इसके अतिरिक्त गाँव एवं आस-पास के प्राकृतिक बहाव क्षेत्र में खड़े किये गये अवरोधों को भी हटाया जाती है।

प्रश्न 5. आपके गाँव में एवं आस-पास पानी के प्राकृतिक बहाव क्षेत्र में क्या-क्या अवरोध हैं? उन्हें हटाने के लिए क्या करना चाहिए?

उत्तर: हमारे गाँव में आस-पास पानी के प्राकृतिक बहाव क्षेत्र में बस्तियाँ व कारखाने अवरोधक हैं। उन्हें हटाने के लिए कानून का सहारा लेना चाहिए तथा बस्ती व कारखाने वालों को दूसरा स्थान दे देना चाहिए।

चर्चा कीजिए (पेज संख्या-101)

प्रश्न 1. सामान्यतः लोग एक जगह पर पास-पास क्यों बसते हैं?

उत्तर: सामान्यतः लोग एक जगह पर पास-पास इसलिए बसते हैं जिससे आपदा के समय वह एक-दूसरे की मदद कर सकें।

प्रश्न 2. आपके आस-पास के लोगों ने संकट या परेशानी में एक-दूसरे की मदद कब-कब की होगी?

उत्तर: हमारे आस-पास के लोगों ने प्राकृतिक आपदा जैसे भूकम्प, बाढ़ व तूफान के समय एक-दूसरे की मदद की होगी।

जाना-समझा, अब बताइए (पेज संख्या-102)

प्रश्न 1. भूकम्प से आप क्या समझते हैं?

उत्तर: भूकम्प जमीन के अन्दर हलचल के कारण आता है। यह एक विनाशकारी प्राकृतिक आपदा है जिसमें जमीन में दरारें पड़ने तथा जमीन धंसने के कारण पृथ्वी का कुछ भाग हिलने लगता है।

प्रश्न 2. भूकम्प से होने वाली 5 हानियाँ लिखिए।

उत्तर: भूकम्प से होने वाली हानियाँ निम्नलिखित हैं

1. भूकम्प से घरों की दीवारों में दरार पड़ जाती हैं
2. धरती हिलने से इमारतें गिर जाती हैं।
3. हजारों लोग, मवेशी मलबे में दबकर मर जाते
4. भूकम्प से मरे हुए लोगों से महामारी फैलने का डर रहता है।
5. भूकम्प आने से खाने-पीने की वस्तुएँ मिलने में बहुत कठिनाई होती है जिससे महँगाई हो जाती है।

प्रश्न 3. बाढ़ आने के कोई दो कारण लिखिए।

उत्तर: बाढ़ आने के निम्न कारण हैं

1. मूसलाधार वर्षा से बाढ़ आ जाती है।
2. बाँध टूटने से तेज बहाव उत्पन्न होता है उससे भी बाढ़ आ जाती है।

प्रश्न 4. बाढ़ के समय सुरक्षा कैसे की जा सकती

उत्तर: बाढ़ के समय ऊँचे स्थानों पर स्थित भवनों, धर्मशालाओं या सरकारी भवनों में जाकर रहना चाहिए। बाढ़ पीड़ितों को रस्सी की सहायता से, तैरकर, नाव से, बाढ़ के भंवर से निकालना चाहिए तथा राहत शिविरों की स्थापना कर बाढ़ पीड़ितों के अस्थायी आवास, चिकित्सा तथा खाने-पीने व दवाइयों का प्रबन्ध कर बाढ़ के समय सुरक्षा की जा सकती है।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. किसी क्षेत्र में भारी बारिश की चेतावनी देता है

(अ) पुलिस विभाग
(ब) राजस्व विभाग
(स) मौसम विभाग
(द) वित्त विभाग

उत्तर: (स) मौसम विभाग

प्रश्न 2. किसी क्षेत्र में प्राकृतिक आपदा आने पर कौन मदद करते हैं?

(अ) पुलिस
(ब) स्वयंसेवी संस्थाएँ
(स) सेना
(द) उपर्युक्त सभी

उत्तर: (द) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 3. बाढ़ की स्थिति में स्वयंसेवी संस्थाओं के कार्यकर्ता प्रायः किस प्रकार की मदद करते हैं?

(अ) कपड़े, खाने और दवाइयों की व्यवस्था करना
(ब) राहत शिविरों की व्यवस्था करना।
(स) पानी में बह गए लोगों की तलाश करना
(द) उपर्युक्त सभी।

उत्तर: (द) उपर्युक्त सभी।

प्रश्न 4. 26 जनवरी, 2001 में कहाँ भूकम्प आया था?

(अ) कच्छ में
(ब) उदयपुर में
(स) जयपुर में
(द) आगरा में

उत्तर: (अ) कच्छ में

प्रश्न 5. भूकम्परोधी मकान कितने रिक्टर तक की तीव्रता को सहन कर सकते हैं

(अ) 4 रिक्टर तक
(ब) 5 रिक्टर तक
(स) 6 रिक्टर तक
(द) 7 रिक्टर तक

उत्तर: (द) 7 रिक्टर तक

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

1. आजकल भूकम्प से बचने के लिए .... मकान बनाए जाते हैं। (भूकम्परोधी/जलरोधी)
2. .... की तीव्रता रिक्टर स्केल पर मापते हैं। (बाढ़/भूकम्प)
3. .... ने भारी बारिश की चेतावनी दी थी। (मौसम विभाग/जल विभाग) |
4. अस्थाई आवास का उदाहरण .... है। (टेंट/भवन)

उत्तर: 1. भूकम्परोधी 2. भूकम्प 3. मौसम विभाग 4. टेंट।

सत्य/असत्य कथन बताइये

(1) भारतीय सेना प्राकृतिक आपदा में मदद करती है। (सत्य/असत्य)
(2) भूकम्प की हलचल एक बिन्दु से शुरू होकर पानी की तरंगों की तरह फैलती है। (सत्य/असत्य)
(3) 7 रिक्टर से कम तीव्रता पर केवल कम्पन महसूस होत| (सत्य/असत्य)
(4) प्राकृतिक आपदा में सहायता के लिए प्रशासन और स्वयंसेवी संगठनों की आवश्यकता नहीं होती है। (सत्य/असत्य)

उत्तर: (1) सत्य (2) सत्य (3) असत्य (4) असत्य

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. किन्हीं दो प्राकृतिक आपदाओं के नाम लिखिये।

उत्तर:

- भूकम्प तथा
- बाढ़

प्रश्न 2. 26 जनवरी, 2001 को गुजरात में कहाँ पर भूकम्प आया था?

उत्तर: कच्छ में

प्रश्न 3. भूकम्प से बचे घायलों के लिए क्या व्यवस्था की गई?

उत्तर: घायलों के लिए दवाइयाँ, भोजन एवं पानी की व्यवस्था की गई।

प्रश्न 4. प्राकृतिक आपदा में फंसे लोगों को कहाँ रखा जाता है?

उत्तर: प्राकृतिक आपदा में फँसे लोगों को टेंट लगाकर राहत शिविर में रखा जाता है।

प्रश्न 5. भूकम्प से बचने के लिए कैसे मकान बनाने चाहिए?

उत्तर: भूकम्प से बचने के लिए भूकम्परोधी मकान बनाने चाहिए।

प्रश्न 6. भूकम्प का केन्द्र किसे कहते हैं?

उत्तर: जिस बिन्दु से हलचल शुरू होती है उसे भूकम्प का केन्द्र कहते हैं।

प्रश्न 7. भूकम्परोधी मकान कितने तीव्रता वाले भूकम्प को सहन कर सकता है?

उत्तर: भूकम्परोधी मकान 7 रिक्टर तीव्रता वाले भूकम्प को सहन कर सकता है।

प्रश्न 8. संकट के समय पुलिस को आप किस नम्बर पर फोन करेंगे?

उत्तर: 100 नम्बर पर।

प्रश्न 9. संकट के समय अस्पताल के लिए एम्बुलेन्स बुलाने के लिए आप किस नम्बर पर फोन करेंगे?

उत्तर: 108 नम्बर पर।

प्रश्न 10. एम्बुलेंस क्या कार्य करती है?

उत्तर: एम्बुलेंस घायल, पीड़ितों को लाने-ले जाने का काम करती है।

प्रश्न 11. गाँव में बाढ़ की स्थिति किसको बताई गयी?

उत्तर: तहसीलदार को फोन करके बताया गया।

प्रश्न 12. बाढ़ से प्रभावित लोगों को कहाँ पहुँचाया गया?

उत्तर: राहत शिविरों में।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. भूकम्प जैसी आपदा आने पर आप लोगों की क्या मदद करेंगे? कोई तीन तरीके लिखिए।

उत्तर: भूकम्प जैसी आपदा आने पर हम लोगों की निम्न प्रकार मदद करेंगे

1. भूकम्प पीड़ित लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाने में मदद करना
2. भूकम्प से घायल लोगों को अस्पताल पहुँचाने हेतु एम्बुलेंस को फोन करना।
3. भूकम्प पीड़ित लोगों के लिए खाने-पीने के सामान आदि की व्यवस्था करना।

प्रश्न 2. बाढ़ के पानी से लोगों को क्या-क्या परेशानियाँ हुईं?

उत्तर: बाढ़ के पानी से घरों में पानी भर जाता है। घर की चीजें पानी में बह जाती हैं व खराब हो जाती हैं। छप्पर बह जाते हैं। मवेशी मर जाते हैं। लोग बेघर हो जाते हैं। बाढ़ के पानी से लोगों को पीने के पानी, पहनने के कपड़े, खाने के लिए भोजन, रहने के लिए आवास की समस्याएँ हुईं।

प्रश्न 3. बाढ़ पीड़ितों की मदद किन लोगों ने की?

उत्तर: बाढ़ पीड़ितों की मदद सरकार, सेना, कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं के कार्यकर्ताओं, पुलिस के जवानों आदि ने की।

प्रश्न 4. फुटपाथ तथा झुग्गियों में रहने वाले लोगों को बरसात के समय किस तरह की समस्याएँ आती होंगी?

उत्तर: फुटपाथ तथा झुग्गियों में रहने वाले लोगों को बरसात के समय स्वयं को भीगने से बचाने, अपने सामान को भीगने से बचाने, खाना बनाने, रहने, शौच आदि की अनेक समस्याएँ आती होंगी।

प्रश्न 5. बाढ़ से बचाने के लिए क्या-क्या व्यवस्थाएँ की गईं?

उत्तर: बाढ़ की गंभीरता को देखते हुए सरकार ने सेना की मदद ली। शाम को सेना के जवान बाढ़-पीड़ितों की मदद के लिए पहुंचे। उन्हें निकट के गाँव की धर्मशालाओं व सरकारी भवनों में लगाए गए शिविरों में पहुँचाया गया। कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं के कार्यकर्ताओं ने हमारे लिए कपड़े, खाने और दवाइयों की व्यवस्था की। शिविर के बाहर एम्बुलेंस की व्यवस्था थी जो बाढ़-पीड़ितों को लानेले जाने का काम कर रही थी।

प्रश्न 6. 2001 में गुजरात के भुज क्षेत्र में आए भूकम्प से क्या हानि हुई?

उत्तर: 26 जनवरी, 2001 को गुजरात के भुज क्षेत्र के कच्छ में आए भूकम्प में हजारों लोग मारे गये वे इससे कहीं अधिक घायल हुए। लाखों मकान गिर गये। जनधन का भारी नुकसान हुआ।

निबन्धात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. बाढ़ से गाँव में क्या नुकसान हुआ?

उत्तर: बाढ़ के कारण हुई हानिबाढ़ के कारण गाँव में अत्यधिक हानि हुई। यथा

- गाँव की फसलें चौपट हो गईं।

- समस्त कच्चे झोंपड़े पानी में बह गए थे। उनकी कुछ टूटी-फूटी दीवारें ही शेष रह गई थीं।
- गाँव के पक्के मकानों को भी नुकसान पहुँचा था। उनके नीचे की मिट्टी पानी के तेज बहाव में बह | गई जिससे वे गिर गये या उनकी दीवारों में दरारें पड़ गईं।
- गाँव के स्कूल के बरामदे में भी जगह-जगह गड्ढे हो गए थे। उनमें अब भी बरसाती पानी भरा था।
- दीवारों में सीलन आ गई थी। घरों में रखा सामान सड़-गल गया था।
- बड़े-बड़े पेड़ उखड़कर गिर गए थे।
- मवेशियों की भी क्षति हुई थी।

प्रश्न 2. बाढ़ तथा भूकम्प जैसी आपदाओं का सामना हम किस प्रकार कर सकते हैं?

उत्तर: बाढ़ तथा भूकम्प जैसी आपदाओं का सामना हम निम्न प्रकार कर सकते हैं

1. भूकम्प-उन क्षेत्रों में जहाँ भूकम्प आने की संभावना अधिक होती है, वहाँ खास डिजाइन के भूकम्परोधी मकानों का निर्माण किया जा सकता है।
2. बाढ़-बाढ़ का सामना हम जल के प्राकृतिक बहाव क्षेत्र में आने वाले सभी अवरोधों को हटा कर पानी की निकास व्यवस्था में सुधार लाकर कर सकते हैं।

प्रश्न 3. भूकम्प की तीव्रता तथा भूकम्प के केन्द्र से आप क्या समझते हैं?

उत्तर: भूकम्प की तीव्रता-किसी स्थान पर भूकम्प से कितना नुकसान होगा, यह भूकम्प की तीव्रता से जाना जा सकता है। भूकम्प जमीन के अन्दर हलचल के कारण आता है जो एक बिन्दु से प्रारम्भ होकर पानी की तरंगों की तरह फैलता है। इस बिन्दु को भूकम्प का केन्द्र कहते हैं| भूकम्प की तीव्रता को रिक्टर स्केल पर मापते हैं । जब यह 5 रिक्टर से अधिक होती है तो मकान आदि गिर जाते हैं लेकिन 5 रिक्टर से कम तीव्रता पर केवल कम्पन्न महसूस होते हैं, चीजें हिलती हुई नजर आती हैं व मकानों में दरारें पड़ जाती हैं। भूकम्परोधी मकान 7 रिक्टर तक की तीव्रता को सहन कर सकते हैं।